

एक्सपायरी फल्लीदाना बेचकर लोगों की सेहत से खिलवाड़!

एलपी डील शॉपिंग मॉल में 120 एमआरपी का पैकेट 80 में खपाने का आरोप

25 जुलाई 2026 की एक्सपायरी के बाद भी बिक्री जारी;

खाद्य विभाग की निगरानी पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज़ | छिन्दवाड़ा, मनीष गड़करी

खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और एक्सपायरी डेट को लेकर प्रशासन भले ही समय-समय पर अभियान चलाने और कार्रवाई के दावे करता हो, लेकिन शहर के बाजार में तस्वीर कुछ और ही नजर आती है। ताजा मामला शहर के नरसिंहपुर रोड स्थित एलपी डील नामक शॉपिंग मॉल से सामने आया है, जहां शिकायत के अनुसार 25 जुलाई 2026 की एक्सपायरी डेट वाला फल्ली दाना (मूंगफली) ग्राहकों को बेचा जा रहा है। जिस खाद्य सामग्री की निर्धारित उपयोग अवधि समाप्त हो चुकी है, उसे 120 की एमआरपी के मुकाबले मात्र डिस्काउंट देकर करीब 80 में बेचे जाने का आरोप है। सवाल यह है कि आखिर एक्सपायरी हो चुके खाद्य उत्पाद को स्टॉक से हटाने के बजाय ग्राहकों तक पहुंचाने की नौबत कैसे आई? मामला सिर्फ एक पैकेट फल्ली दाने तक सीमित नहीं माना जा सकता। यदि किसी बड़े शॉपिंग मॉल में एक्सपायरी खाद्य सामग्री बिक्री के लिए रखी मिलती है तो यह खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। आखिर दुकानों और शॉपिंग मॉल में नियमित रूप से खाद्य पदार्थों

की जांच कौन करता है? क्या खाद्य सुरक्षा अधिकारी केवल शिकायत मिलने के बाद ही सक्रिय होते हैं और यदि शिकायतों के बाद कार्रवाई होती है तो नियमित निरीक्षण की व्यवस्था कहाँ है।

डिस्काउंट के नाम पर एक्सपायरी माल खपाने का खेल: शॉपिंग मॉल और बड़े स्टोरों में ग्राहकों को भारी डिस्काउंट आकर्षित करता है। लेकिन यदि यही डिस्काउंट एक्सपायरी या खराब होने की कगार पर पहुंच चुकी खाद्य सामग्री को खपाने का जरिया बन जाए तो मामला बेहद गंभीर हो जाता है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित फल्ली दाने की एमआरपी 120 है, लेकिन उसे 80 में बेचा जा रहा था। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह महज सामान्य डिस्काउंट है या फिर पुराने स्टॉक को तेजी से निकालने की कोशिश। खाद्य सामग्री पर अकित निर्माण और एक्सपायरी तारीख ग्राहक के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इसके बावजूद यदि एक्सपायरी डेट पार कर चुका उत्पाद बिक्री के लिए शेल्फ पर पहुंच रहा है तो दुकान संचालक की

अब सवाल कार्रवाई का है...

एक्सपायरी खाद्य सामग्री की बिक्री केवल व्यापारिक अनियमितता नहीं है, बल्कि यह सीधे उपभोक्ता के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है। इसलिए प्रशासन को इस शिकायत को हल्के में लेने के बजाय गंभीरता से जांच करनी चाहिए। एलडी के सभी स्टोरों में छापामार और औचक जांच, संदिग्ध खाद्य सामग्री के सैंपल, स्टॉक की पड़ताल और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई यही इस मामले में प्रशासन की वास्तविक परीक्षा होगी। सवाल सिर्फ यह नहीं कि एक पैकेट एक्सपायरी फल्ली दाना कैसे बिक गया। असली सवाल यह है कि कितने और एक्सपायरी उत्पाद अभी भी दुकानों की शेल्फ पर ग्राहकों की नजर से बचकर पड़े हैं? यदि खाद्य विभाग ने समय रहते जांच नहीं की तो किसी दिन डिस्काउंट के नाम पर बिकने वाला यह पुराना सामान किसी परिवार की सेहत पर भारी पड़ सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में सिर्फ खानापूर्ति करता है या फिर पूरे नेटवर्क की जांच कर यह पता लगाता है कि एक्सपायरी खाद्य सामग्री आखिर दुकान की शेल्फ तक पहुंची कैसे और इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

आपूर्ति अधिकारी ने जांच कर कार्रवाई का दिया भरोसा

इस मामले में जिला आपूर्ति अधिकारी गोपेश मिश्रा ने बताया कि उनके स्तंभान में यह शिकायत आई है। उन्होंने कहा कि शिकायत की जानकारी उन्हें मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई है। मामले की मौके पर जाकर जांच की जाएगी। यदि जांच के दौरान एक्सपायरी डेट वाली खाद्य सामग्री की बिक्री की शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जरूर की जाएगी।

गोपेश मिश्रा, जिला खाद्य अधिकारी

इथेनॉल कंपनी में जा रहे ओवरलोड ट्रकों से बर्बाद हो रही सड़कें

ग्रामीणों में गहरा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज़ | सौसर

तहसील के रामपेट क्षेत्र में संचालित सिलोरा इथेनॉल कंपनी की वजह से आसपास के ग्रामीण इलाकों में भारी परेशानियां खड़ी हो गई हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी कुड़म-रामपेट-सिलोरा सड़क पर नियमों को ताक पर रखकर 25 से 50 टन तक के ओवरलोड ट्रक धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। इस सड़क की वहन क्षमता 10 टन से अधिक की नहीं है, जिसके कारण जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो



गए हैं और सड़क धंसने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाले इन भारी वाहनों और ड्राइवरों की मनमानी के कारण स्थिति बदतर हो गई है। ट्रक चालकों द्वारा सड़क पर ही वाहन खड़े कर दिए जाने से आवागमन बाधित हो रहा है। विशेषकर रात्रि के समय दोपहिया

प्रशासनिक उदासीनता और ग्रामीणों की चेतावनी

इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कई बार प्रशासन व पर्यावरण विभाग को ज्ञापन सौंपे हैं। जिला युवक कांग्रेस के अध्यक्ष प्रशांत धुर्वे द्वारा भी पूर्व में लिखित शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, परंतु अब तक की गई कार्रवाई केवल कागजी खानापूर्ति तक ही सीमित रही है। ग्रामीणों के साथ युवा अल्ट्रेक्ष बागड़े का आरोप है कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद प्रशासन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। यदि जल्द ही ओवरलोड परिवहन पर रोक नहीं लगाई गई और कंपनी की लापरवाह कार्यशैली पर शिकंजा नहीं कसा गया, तो आक्रोशित जनता को मजबूरन उवा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। इस स्थिति में होने वाले समस्त व्ययधानों की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से उच्च स्तरीय जांच कराकर इस अवैध परिवहन पर रोक लगाई जाए।

वाहन चालकों के लिए यह मार्ग दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन गया है। इसके अलावा, कंपनी से निकलने वाले जहरीले धुएँ और केमिकल युक्त पानी से न केवल आसपास की फसलें बर्बाद हो रही हैं, बल्कि किसानों व मजदूरों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

नियमों की धज्जियां उड़ाकर अफसरों की मेहरबानी जारी

आश्रम स्कूल में अटैचमेंट का बड़ा खेल, 30 बच्चों पर 5 शिक्षक तैनात

हरिभूमि न्यूज़ | छिंदवाड़ा

विकासखंड के दूरस्थ ग्रामीण अंचल गायखुरी स्थित आदिवासी आश्रम शाला इन दिनों पढ़ाई या व्यवस्थाओं के लिए नहीं, बल्कि जनजातीय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के विशेष मेहरबानी और अटैचमेंट के अजीबो-गरीब खेल को लेकर चर्चा में है। शासन के स्पष्ट दिशा-निर्देशों और नियमों को दरकिनार कर इस आश्रम स्कूल में जरूरत न होने के बावजूद अन्य विकासखंडों से शिक्षिकाओं को अटैच किया गया है, जिससे पूरे मामले में बड़े गोलमाल की आशंका जताई जा रही है। मध्य प्रदेश शासन की गाइडलाइन के अनुसार, यदि किसी आश्रम शाला में



दर्ज छात्र संख्या 30 से अधिक है, तो वहां 2 से 3 शिक्षकों की पदस्थापना पर्याप्त मानी जाती है। गायखुरी के इस एकमात्र आदिवासी आश्रम स्कूल में कुल 31 छात्र अध्ययनरत हैं, जिनकी पढ़ाई और व्यवस्था के लिए कुंता बारंगे, कांता खोडे और दिनेश क्षिरसागर के रूप में यहां 3 शिक्षकों की मूल पदस्थापना है। नियमानुसार यह संख्या पूरी तरह पर्याप्त है। इसके बावजूद गृहक्षेत्र में रहने के लालच और विभागीय

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के अंतर्गत ग्राम एवं नगर निर्देशिका निर्माण कार्य की समीक्षा

पांडुर्णा। जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के अंतर्गत ग्राम एवं नगर निर्देशिका के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा एवं निरीक्षण के संघर्ष में आज कार्यालय कलेक्टर समाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप-महारजिस्ट्रार डॉ. विजय कुमार, जिला जनगणना अधिकारी ज्योति ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी, समस्त चार्ज अधिकारी, तकनीकी सहायक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला जनगणना प्रभारी अनुज सोलंकी भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में ग्राम एवं नगर निर्देशिका के निर्माण कार्यों का निरीक्षण एवं समीक्षा की गई। उप-महारजिस्ट्रार डॉ. विजय कुमार ने जिले के सभी चार्ज अधिकारियों के साथ बैठक कर जनगणना संबंधी कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने ग्राम एवं नगर निर्देशिका के निर्माण कार्य में दर्ज किए जा रहे आंकड़ों की गुणवत्ता, शुद्धता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना से संबंधित जानकारी भविष्य की विकास योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण आधार होती है, इसलिए प्रत्येक स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों का सावधानीपूर्वक परीक्षण एवं सत्यापन किया जाना आवश्यक है। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ग्राम एवं नगर निर्देशिका निर्माण से संबंधित जानकारी निर्धारित मापदंडों एवं प्रपत्रों के अनुसार तैयार की जाए तथा किसी भी प्रकार की झुट्ट अथवा विसंगति पाए जाने पर उसका आवश्यक परीक्षण कर समय रहते सुधार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया।

वर्षों से जारी है अटैचमेंट का सिलसिला

मिली जानकारी के अनुसार, इस स्कूल में मोहखेड और जामई विकासखंड की आश्रम शालाओं से 1-1 शिक्षिका को अटैच किया गया है। जामई की शिक्षिका को वर्ष 2021 से ही यहां पार जमाए बैठी हैं, जबकि मोहखेड की शिक्षिका को मार्च 2026 में यहां संबद्ध किया गया। सवाल यह उठ रहा है कि जब मूल शालाओं में शिक्षकों की आवश्यकता हो सकती है, तो फिर गायखुरी में बिना जरूरत इन शिक्षिकाओं पर मेहरबानी क्यों बरसाई जा रही है ? नियमों को टेंगा, रात में गायब रहती हैं हॉस्टल अधीक्षिका मामला सिर्फ अतिरिक्त शिक्षकों की तैनाती तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षा से जुड़ा भी है। मोहखेड से अटैच होकर आई शिक्षिका को यहां छात्रावास अधीक्षक का दायित्व सौंपा गया है। शासकीय नियमानुसार अधीक्षक का रात्रि में छात्रावास में ही निवास करना अनिवार्य है, ताकि बिजली गुल होने, बच्चों के डरने या किसी अप्रिय घटना की स्थिति में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। लेकिन बताया जा रहा है कि मैडम रात में कभी हॉस्टल में ठहरती ही नहीं हैं। शासन के नियमों की खुलेआम उड़ती धज्जियों और इस मनमाने अटैचमेंट पर जनजातीय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने आखिर क्यों आंखें मूंद रखी हैं? यह जांच का बड़ा विषय है।

भाजपा सरकार में श्रमिकों का हो रहा कल्याण : सांसद साहू



छिंदवाड़ा। भाजपा सरकार में श्रमिकों के कल्याण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उनका जीवन स्तर को उठाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित किए जाकर उसका सीधा लाभ श्रमिकों को दिया जा रहा है। उक्त आशय के उच्चार सांसद बंटी विवेक साहू ने पोला गाउड छिंदवाड़ा में आयोजित प्रदेश स्तरीय भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद विभिन्न जिलों से आए भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सांसद श्री साहू ने कहा कि 2014 के बाद भारतीय रेलवे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आमूल-मूल परिवर्तन किए गए हैं। आज देश और दुनिया में भारतीय रेलवे को मॉडल के रूप में लेते हुए परिवर्तन किए जा रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि 2014 के पूर्व की सरकारों ने भारतीय रेलवे की तरक्की के लिए कोई काम नहीं किया। पहले रेलवे स्टेशन गंदगी से पटे पड़े रहते थे। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि भाजपा सरकार में आज रेलवे स्टेशन हवाई अड्डों का रूप ले रहे हैं। श्रमिकों को उनका अधिकार दिलाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगे भी श्रमिकों के कल्याण और उनके हित में कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में पहुंचे भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर शुक्ला, सत्येन्द्र ठाकुर, हिंदू मंडार, रवि मालवी, अकिंत तिवारी एवं अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के सदस्यगण उपस्थित थे।

रक्षा सूत्र गेट कर रक्षा बंधन पर्व मनाया

छिंदवाड़ा। आश्विन मास की पावन प्रेरणा से श्री योग देवत सेना समिति की बहने प्रतिवर्ष जिला जेल के बन्दी भाइयों को रक्षा सूत्र गेट कर ही रक्षा बंधन पर्व मनाती है। इस अवसर पर साध्वी प्रतिभा बहने ने बन्दी भाइयों को बताया कि मनुष्य के जीवन में तीन प्रकार की जेले होती हैं पहली माता के गर्म की जेल, दूसरी सरकार की जेल जहां आप निवासरत हो तौसरी होती है कर्म बंधन की जेल। जिसमें से मनुष्य पहली और दूसरी जेल से रिहा हो सकता है लेकिन तौसरी जेल कर्म की है। इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहने, लिंगा महिला समिति की अध्यक्ष ललिता घोषे, प्रीति सोनोरे, सुधा तामकर, विमल शेरके, रुपाली इंगले, मीना गोदवानी, सुधा राउत, कांता लोखंडे, दीपा डोडानी, सोना चुलानी मुख्य रूप से उपस्थित रही।

सावन महोत्सव में आदिवासी जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा

प्रोटोकॉल उल्लंघन पर कांग्रेस ने की कार्रवाई की मांग, विधायक सुनील उईके ने पत्र के माध्यम से विधानसभा अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव को विशेष अधिकार हनन की दी सूचना

हरिभूमि न्यूज़ ►►तामिया

जिला कांग्रेस कमेटी छिंदवाड़ा के महासचिव एवं ब्लॉक तामिया के पर्यवेक्षक घनश्याम तिवारी ने तामिया में आयोजित “तामिया सावन महोत्सव 2026” में क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है।घनश्याम तिवारी ने कहा कि 21 से 23 अगस्त तक पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस शासकीय महोत्सव में जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र में दानेस शसकीय महोत्सव में उपेक्षा की जा रही है।



इसके बावजूद कार्यक्रम के मुख्य बैनर पर उनकी तस्वीर तक नहीं लगाई गई।उन्होंने कहा कि इसी प्रकार तामिया विकासखंड के अंतर्गत आने वाली अमरवाड़ा विधानसभा के आदिवासी विधायक श्री कमलेश शाह तथा भारिया विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दिनेश अंगारिया को भी मुख्य बैनर में स्थान नहीं दिया गया। क्षेत्र के प्रमुख आदिवासी जनप्रतिनिधियों की इस तरह उपेक्षा केवल जनप्रतिनिधियों

का अपमान नहीं, बल्कि उनके माध्यम से जनता द्वारा दिए गए जनादेश का भी अनदर है।घनश्याम तिवारी ने कहा कि शासकीय आयोजनों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र में प्रोटोकॉल की अनदेखी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष के स्थान पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ध्वजारोहण किए जाने का मामला भी इसी श्रृंखला का हिस्सा है।उन्होंने बताया कि विधायक श्री सुनील उईके द्वारा इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए विधानसभा अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव की विशेषाधिकार

हनन की सूचना दी गई है और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जांच एवं कार्रवाई की मांग की गई है। घनश्याम तिवारी ने मध्यप्रदेश शासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा शासन के प्रोटोकॉल और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की गरिमा का सम्मान करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। साथ ही श्री तिवारी ने कहा कि आदिवासी जनप्रतिनिधियों के लगातार अपमान किये जाने के खिलाफ कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

मव्य आयोजन में प्रशासनिक एवं पंचायत की व्यवस्था ने छोड़ी छाप

सावन महोत्सव का शानदार समापन, पंडाल के पीछे स्थित पंचायत के कुएं से हुई मोटर चोरी

हरिभूमि न्यूज़ ►►तामिया

अमूमन शांत रहने वाले तामिया में पिछले कुछ महीनों से चोरी की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। पूर्व में गणेश मेडिकल और शक्ति मेडिकल के शटर तोड़ने के साथ ही व्यवहार न्यायालय के समीप स्थित शंकर मंदिर से दानपेटी चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब बीती रात पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पास आयोजित तीन दिवसीय सावन महोत्सव के दौरान अज्ञात चोरों ने ग्राम पंचायत के कुएं से पनडुब्बी मोटर चोरी कर ली।

पंचायत द्वारा सावन महोत्सव में आने वाले पर्यटकों की अधिक संख्या को देखते हुए सुलभ शौचालय में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति के लिए कुएं में मोटर लगाई गई थी। लेकिन आयोजन के दौरान कार्यक्रम स्थल के पीछे स्थित कुएं से मोटर चोरी हो जाने से पंचायत की व्यवस्था धरी की धरी रह



गई। हैरानी की बात यह रही कि आयोजन स्थल पर रोशनी, पंडाल और लोगों की आवाजाही के बावजूद चोर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पंचायत सचिव जगत शाह तेकाम ने मोटर चोरी होने की पुष्टि करते हुए बताया कि वे शीघ्र ही वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी देंगे और उनके मार्गदर्शन में उचित कार्रवाई की

कार्यक्रम का समापन किया।

जिला प्रशासन, ग्राम पंचायत तथा पर्यटन, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संयुक्त प्रयास से आयोजित महोत्सव की सफलता की सराहना की जा रही है, हालांकि मोटर चोरी की घटना ने इस शानदार आयोजन पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर की केबल चुराते एक आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा, दो साथी फरार

पुलिस ने आरोपी को लिया 2 दिन की रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज़ वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रमरमा में बिजली विभाग की कीमती केबल चोरी करने का एक बड़ा मामला सामने आया है। जिसमें ग्रामीणों की सतर्कता और सजगता से एक चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। जबकि उसके दो अन्य साथी मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने बिजली विभाग की कनिष्ठ अभियंता की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी वितरण केंद्र कोचेवाही की कनिष्ठ अभियंता बबीता उड़के द्वारा वारासिवनी थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार 21 अगस्त की सुबह लगभग 10 बजे उन्हें लाईन कर्मचारी मिथुन पंचेश्वर ने फोन कर जानकारी दी थी कि ग्राम रमरमा स्थित एपीटी माईंस के पास लगे 100 केवी ट्रांसफार्मर की प्लट टी केबल लगभग 100 मीटर लंबी 50 एस यू एम एल टी ए बी केबल को कुछ लोग काटकर चोरी कर रहे थे। जिन्हें ग्रामीणों ने पकड़ लिया है। जानकारी मिलते ही कनिष्ठ अभियंता बबीता उड़के विभागीयकर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचीं, तो देखा कि ग्रामीणों ने एक युवक को मौके पर ही पकड़ कर रखा था।



पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सरजू बोपचे निवासी नेवरगाव लालबर्ग बताया। वहीं उसके दो अन्य साथी मुशू कारसर्प और डिलेश गौतम दोनों निवासी नेवरगाव लालबर्ग ग्रामीणों को चकमका देकर फरार हो गए थे। पूछताछ में यह बात भी सामने आई कि आरोपी सरजू बोपचे ने बताया कि वह रमरमा माईंस में लाइन मेंटेंनेंस कार्य भात ठेकेदार के अंडर में करते हैं। चोरी की भारी भरकम केबल ले जाने के लिए आरोपी एक मोटरसाइकिल क्रमांक एम पी 50 एमपी 8156 का इस्तेमाल कर रहे थे। प्राथमिकी रिपोर्ट के अनुसार इससे पहले भी 600 मीटर केबल चोरी की गई थी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 156360 रुपये है। जिससे विद्युत मंडल को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

घटनास्थल पर पंचनामा तैयार करने के पश्चात बिजली विभाग के अधिकारियों ने सहायक अभियंता राजीव रंजन व अन्य के सहयोग से पकड़े गए आरोपी सरजू बोपचे को वारासिवनी थाने लाया गया। पुलिस ने कनिष्ठ अभियंता की शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर 22 अगस्त को आरोपी सरजू बोपचे निवासी नेवरगाव को न्यायालय पेश कर दो दिन की रिमांड ली गई है। पुलिस टीम फरार आरोपी मुन्नु कारसपे और डिलेश गौतम की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सभी मेडिकल दुकानों में जेनरिक दवाओं का धड़ल्ले से कारोबार, जांच कर कार्रवाई की मांग

दवा बिक्की की व्यवस्था पर उठे सवाल, मेडिकल दुकानों के स्टॉक और बिलों की जांच कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ लांजी।

लांजी नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मेडिकल दुकानों में जेनरिक दवाओं की बिक्की को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि कई मेडिकल दुकानों पर जेनरिक दवाओं का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, लेकिन दवाओं की खरीद-बिक्री, बिलिंग, स्टॉक और मरीजों को दवा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की पर्याप्त जांच नहीं की जा रही है। ऐसे में संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।स्थानीय स्तर पर यह मांग उठाई जा रही है कि नगर एवं क्षेत्र की सभी मेडिकल दुकानों का औचक निरीक्षण कराया जाए और वहां उपलब्ध दवाओं के स्टॉक की जांच की जाए। साथ ही दवा विक्रेताओं द्वारा संबंधित कंपनियों एवं डिस्ट्रीब्यूटरों से खरीदी गई दवाओं के बिल, बिक्की बिल, स्टॉक रजिस्टर तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों का मिलान कराया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

जेनरिक दवाएं मरीजों को अपेक्षाकृत कम कीमत पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। लेकिन इनकी बिक्की और वितरण



आकाशवाणी छिंदवाड़ा के श्रोता प्रतिनिधि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सम्मेलन में उन्हें सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हुए। इसके साथ ही उन्होंने आकाशवाणी एवं विविध भारती के वरिष्ठ अधिकारियों और

गोटूल ट्राईबल वेलफेयर सोसायटी ने आयोजित किया योग एवं पंचकर्म प्रशिक्षण शिविर, बच्चों को बांटे प्रमाण-पत्र



परासिया। गोटूल ट्राईबल वेलफेयर सोसायटी, छिंदवाड़ा द्वारा संचालित योग एवं पंचकर्म प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह 23 अगस्त 2025 को निदान आयुर्वेदिक सेंटर, एसपी ऑफिस के पीछे, एकता कॉलोनी, खाण्माट में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बच्चों को संस्था की ओर से उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों को उच्च मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उनके भविष्य से जुड़ी संभावित समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा करना रहा। साथ ही संस्था द्वारा भविष्य में बच्चों के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।समारोह में गोटूल ट्राईबल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. हितेश मलानी, कोषाध्यक्ष इंजी. तेजेंद्र मसराम, डॉ. प्रो. अरविन्द धुर्वे, श्री बलदेव मरकाम, डॉ. धर्मेंद्र मरावी, श्री राकेश धुर्वे, श्री आशाराम वाडिव, एबीकट्टर ऑफिसर श्रीमती पद्मा खाडीपुरे, आरटीओ ऑफिसर श्रीमती सुविता बाग, जेल मेडिकल ऑफिसर डॉ. वीरेन्द्र बघेल, मेडिकल ऑफिसर डॉ. राजा ठाकुर एवं डॉ. गौरव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।अतिथियों ने बच्चों की स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्था के अध्यक्ष डॉ. हितेश मलानी ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी समाजसेवा और युवाओं के मार्गदर्शन के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।कार्यक्रम का समापन संस्था के संदेश “सेवा ही हमारा धर्म है, सेवा-सेवामान, सेवा-जोहार” के साथ किया गया।

आकाशवाणी के अखिल भारतीय श्रोता सम्मेलन में छिंदवाड़ा के टाकरे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ►►छिन्दवाडा

आकाशवाणी के अखिल भारतीय श्रोता सम्मेलन में छिंदवाड़ा के रेडियो प्रेमी एवं आकाशवाणी श्रोता एवं रानीकामथ निवासी उदयभान ठाकरे ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन के दौरान आयोजित रैली में विभिन्न वाहनों द्वारा उनका सम्मान भी किया गया।

श्री ठाकरे वर्षों से आकाशवाणी के कार्यक्रमों के दीवाने हैं। रेडियो के प्रति उनकी दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आकाशवाणी के माध्यम से उनके देश-विदेश में 1500 से अधिक मित्र बन चुके हैं। वे समय-समय पर देशभर में आयोजित होने वाले आकाशवाणी के श्रोता सम्मेलनों में शामिल होकर छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हैं।इस बार भी उन्होंने अखिल भारतीय श्रोता सम्मेलन में सहभागिता की और

आकाशवाणी छिंदवाड़ा के श्रोता प्रतिनिधि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सम्मेलन में उन्हें सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हुए। इसके साथ ही उन्होंने आकाशवाणी एवं विविध भारती के वरिष्ठ अधिकारियों और

निदेशकों से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया।

श्री ठाकरे का कहना है कि बदलते दौर में भी रेडियो के प्रति लोगों का जुड़ाव कायम है और आकाशवाणी आज भी लाखों श्रोताओं के लिए जानकारी,



आकाशवाणी छिंदवाड़ा के श्रोता प्रतिनिधि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पुस्तकें और खेल मैदान ना होने के चलते परेशानियों से जूझ रहे विद्यार्थी

विधायक पटेल ने खैरलांजी सांदीपनि विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज़ वारासिवनी।

विधायक विवेक पटेल ने शुक्रवार को खैरलांजी सांदीपनि विद्यालय का औचक निरीक्षण किया।विधायक विवेक पटेल स्कूल पहुंचते ही सीधे छात्र-छात्राओं के क्लास रूप पहुंचे। जहां उन्होंने छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया और उनसे पढ़ाई में होने वाली परेशानी पूछी। जिसके बाद उन्होंने लगभग 33 करोड़ रुपये की लागत से बनी बिल्डिंग का निरीक्षण किया और अधूरे पड़े निर्माण कार्य को जल्द पूर्ण करने के निर्देश संबंधित ठेकेदार को दिए।जिसके बाद उन्होंने विद्यालय परिसर में स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ वृक्षारोपण किया। इस दौरान बीआरसी अनिल माहूले,सांदीपनि स्कूल के प्राचार्य शैलेंद्र सहारे,खैरलांजी सरपंच ज्योति नगपुरे,जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार,स्कूल विभाग के विधानसभा विधायक प्रतिनिधि

राकेश वर्मा, अमित थोटे, विकास कृपगये, सोनिया नगपुरे, विक्की लिहारे,अजबसिंह कृपगये,पलाश बिसेन, दीपक पटले,सुशील लिहारे, अक्षय मस्करे, मानसिंह बहेटवार,टेकराम दमाहे,कैलाश सोनवाने मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान स्कूल के शौचालय में गंदगी देख और गंदा पानी दिखाई देने और जहां-वहां बेवजह पड़े सामनों को देखकर विधायक विवेक पटेल ने प्राचार्य को तत्काल व्यवस्थित करने परिसर में साफ-सफाई नियमित करने के निर्देश दिए। वहीं छात्र- छात्राओं के बैठक के लिए बैच की कमी को देखते हुए ठेकेदार को जल्द बच्चों के बैठने के लिए बैच उपलब्ध करवाने को कहा।

स्कूल में अध्ययनरत ग्यारहवीं क्लास के छात्र- छात्राओं ने विधायक विवेक विक्की पटेल को बताया कि हमें ग्यारहवीं क्लास में भी अंग्रेजी की किताबें नहीं मिली

और अब पास होकर बारहवीं क्लास में पहुंच गए। दो माह से अधिक हो गया और अभी तक अंग्रेजी माध्यम की बुक नहीं मिली है। जिससे हमें पढ़ाई करने काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर विधायक पटेल ने जिला शिक्षा अधिकारी से चर्चा कर जल्द पुस्तकें दिलवाने का आदेश दिया।

विदित हो कि ठेकेदार द्वारा नवीन बिल्डिंग तो बना दी गई है। मगर बच्चों के लिए खेल का मैदान अभी तक बनकर तैयार नहीं हुआ है। जिससे छात्र छात्राओं को न ही खेल का सामान मिल रहा है और ना ही खेलने के लिए खेल मैदान है। जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर नहीं मिल रहा है।वहीं छात्र-छात्राओं ने विधायक विवेक पटेल से कहा कि अगर कोई स्कूली छात्र बेहोश हो जाता है। तो शासकीय हॉस्पिटल में कोई भी डॉक्टर समय पर उपस्थित नहीं रहते है।

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित औषधि प्रशासन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र की मेडिकल दुकानों में केवल कागजी जांच के बजाय मौके पर जाकर वास्तविक निरीक्षण किया जाए। जांच के दौरान दुकानों में मौजूद दवाओं का स्टॉक, खरीद के बिल, बिक्की के बिल, बैच नंबर, एक्सपायरी डेट, दवा की कीमत तथा स्टॉक रजिस्टर का मिलान किया जाए।इसके साथ ही यह भी देखा जाए कि मेडिकल दुकानों में दवाओं का भंडारण निर्धारित मानकों के अनुसार किया जा रहा है या नहीं। जिन दुकानों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ स्थानों पर दवाओं की बिक्की में बिलिंग व्यवस्था को लेकर शिकायतें सामने आती रहती हैं। ऐसे में विभाग द्वारा जांच के दौरान ग्राहकों को दिए जाने वाले बिलों और दुकान के बिक्की रिपोर्ट का भी प्रीक्षण किया जाना चाहिए। यदि किसी मेडिकल दुकान पर बिना बिल दवा बिक्की अथवा रिर्कोर्ड में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।



खबर संक्षेप

सिवनी में किन्नर समाज के दो गुट आमने-सामने, क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद गहराया

सिवनी। सिवनी जिले में किन्नर समाज के दो गुटों के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। संजय वाई टिंग्गा मोहल्ला निवासी जिले के किन्नर समाज की गुरु कशिशा नायक किन्नर ने अपने साथियों के साथ सिवनी कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस ने मामले में एनसीआर क्रमांक 0649/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 352 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

शिकायतकर्ता 37 वर्षीय कशिशा नायक ने पुलिस को बताया कि कई पीढ़ियों से उनके गुरु-दादगुरु सिवनी एवं सिवनी के आसपास के क्षेत्रों में नेम मांगते आ रहे हैं, जिसका प्रमाण उनके पास मौजूद है। आरोप है कि विगत कुछ महीनों से महाराष्ट्र एवं अन्य प्रदेशों के कुछ किन्नर सिवनी जिले के भोमा, कान्हीवाड़ा, पलारी, केवलारी और बरघाट क्षेत्रों में पहुंचकर कथित रूप से वसूली कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार स्थानीय किन्नर समाज द्वारा उन्हें समझाइश दी गई कि वे इन क्षेत्रों में क्यों घूम रहे हैं और यहां से चले जाएं। आरोप है कि इसके बाद बेबी नायक एवं उसका चेला मुस्कान निवासी नागपुर, महाराष्ट्र सहित अन्य लोगों द्वारा गाली-गलौज की गई और गोली मारने की धमकी दी गई। प्रार्थी के अनुसार दो दिन पूर्व भी इस संबंध में थाने में सूचना दी गई थी, लेकिन 22 अगस्त को पुनः वही लोग सैकड़ों चेलों के साथ वाहनों में घूमते हुए दिखाई दिए।

छपारा में वृहद रक्तदान शिविर में 42 यूनिट रक्तदान

सिवनी, कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशाुसार जिला प्रशासन सिवनी द्वारा स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से जिले में वृहद रक्तदान एवं जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से नागरिकों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करने के साथ ही जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) छपारा में वृहद रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ब्रह्माकुमारी संस्था के सहयोग से स्थानीय नागरिकों एवं रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए 42 यूनिट रक्तदान किया।

मिलाद-उन-नबी को लेकर बंडोल थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

सौहार्द, भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने पर बनी सहमति

बंडोल/सिवनी। आगामी 26 अगस्त को मनाए जाने वाले मिलाद-उन-नबी पर्व को लेकर बंडोल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक लालकृष्ण लालचंदानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी मनोज कुमार जेधेला के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने मिलाद-उन-नबी का पर्व आपसी सौहार्द, शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाने पर सहमति जताई। इस दौरान क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

निःशुल्क एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की प्रथम कक्षा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा निःशुल्क संचालित एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की प्रथम कक्षा के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, कटनी जिला संगठन प्रभारी एवं पूर्व आरक्षी अध्यक्ष भाजपा सुजीत जैन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद रमनोडिया सम्मिलित हुए। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं की संबोधित करते हुए उनके उत्कल्ल भाविका की शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि सुजीत जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त

बेकाबू रफ्तार का कहर: यात्रियों से भरी सत्यम बस विद्युत पोल से टकराकर खेत में घुसी

कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र के बाम्हनवाड़ा गांव की घटना, सामने बैठे कुछ यात्रियों को आई चोटें

कान्हीवाड़ा/सिवनी। कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाम्हनवाड़ा गांव में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब यात्रियों से भरी तेज रफ्तार सत्यम बस अचानक अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से जा टकराई और टक्कर के बाद सीधे खेत में जा घुसी। हादसा इतना अचानक हुआ कि बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए मौके पर चीख-पुकार का माहौल बन गया।



हादसे में बस के सामने की ओर बैठे कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आने की जानकारी सामने आई है। गनीमत रही कि बस खेत में जाकर रुक गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यदि बस अनियंत्रित होकर सड़क पर अन्य वाहनों या ग्रामीणों से टकराती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। हादसे की तस्वीरें और मौके की स्थिति तेज रफ्तार एवं

लापरवाही से वाहन चलाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। विद्युत पोल से टकराने के बाद बस खेत में जा घुसी, जिससे आसपास मौजूद लोगों में भी हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना कान्हीवाड़ा पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। हादसा किस वजह से हुआ, बस की वास्तविक रफ्तार कितनी थी और चालक का वाहन से नियंत्रण किस कारण बिगड़ा, इन सभी बिंदुओं की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। यात्रियों से भरी बस का इस तरह अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकराना यातायात सुरक्ष व्यवस्था और बस संचालन पर भी सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि यात्री बसों की गति, फिटनेस और चालकों की लापरवाही पर प्रभावी निगरानी की जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे की पुनरावृत्ति न हो।

केवलारी में मनरेगा का बड़ा घपला: कागजों में निजी जमीन पर बना तालाब, धरातल पर सरकारी वन भूमि पर खोद दिया गड्ढा!

संवाददाता कैलाश लाहौरी सिवनी/केवलारी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में भ्रष्टाचार और फर्जीबाड़े का एक और बड़ा मामला जनपद पंचायत केवलारी की ग्राम पंचायत दुट्टेरा पांजरा से सामने आया है। जहां ग्रामीणों को रोजगार देने और जल संरक्षण के नाम पर स्वीकृत की गई लाखों रुपये की राशि में भारी बंदरबांट की गई है। कागजों में निजी खसरो पर तालाब निर्माण दर्शाकर भुगतान उठा लिया गया, जबकि धरातल पर या तो तालाब गायब हैं या फिर उन्हें शासकीय वन भूमि पर खोदकर औपचारिकता पूरी कर दी गई है। निजी जमीन पर तालाब नदारद, वन भूमि पर बना दिया टैंक ग्राम दुट्टेरा पांजरा निवासी आवेदक आकाश नामदेव द्वारा की गई शिकायत के बाद तहसीलदार केवलारी, राजस्व निरीक्षक और पटवारी की संयुक्त जांच टीम ने मौके का मुआयना किया। जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। मामला 1 (हितग्राही शांति बाई पति टीकाराम): मनरेगा के तहत 3,97,838 रुपये की स्वीकृति से खसरा नंबर 319 (रकबा 0.56 हेक्टेयर) पर खेत तालाब बनाया जाना था। लेकिन मौका जांच में इस निजी खसरे पर कोई तालाब मिला ही नहीं। इसके बजाय पास की शासकीय वन भूमि (खसरा नंबर 284, रकबा 3.69 हेक्टेयर) के 0.10 भाग पर टैंक निर्मित पाया गया। मामला 2 (हितग्राही श्याम पिता धूरन)-खसरा नंबर 208/2 (रकबा 0.50 हेक्टेयर) पर 3,97,838 रुपये की लागत से तालाब बनना था। जांच दल को मौके पर निर्धारित मापदंड के अनुरूप कोई खेत तालाब नहीं मिला, बल्कि उस जमीन पर धान की फसल कटी हुई पाई गई।

जीओ टैगिंग और तकनीकी मूल्यांकन की उड़ी धजियां

नियमानुसार मनरेगा के तहत किसी भी कार्य की स्वीकृति से पूर्व

सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और इंजीनियर की मिलीमगत से लाखों की चपत; जांच में खुली पोल, जारी हुए कारण बताओ नोटिस



राजस्व पटवारी की रिपोर्ट, रोजगार सहायक और सचिव द्वारा दस्तावेजों का परीक्षण, तथा उपयंत्री (इंजीनियर) द्वारा ले-आउट और जीओ टैगिंग की जाती है। परंतु इस मामले में तकनीकी मापदंडों को ताक पर रखकर बिना सही सत्यापन के ही मूल्यांकन राशि जारी कर दी गई। कलेक्टर और जिला पंचायत स्तर पर शिकंजा, नोटिस जारी गलत रिपोर्ट के आधार पर जिला पंचायत सिवनी के मनरेगा प्रकोष्ठ द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कमलेश डहेरिया (सरपंच) - शासकीय राशि के दुरुपयोग और गलत स्थल पर निर्माण को प्रश्रय देने का आरोप। सोहेल हैदरी (उपयंत्री/इंजीनियर) - बिना सही खसरा जांच के गलत ले-आउट देने और त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन करने का आरोप। राजकुमार बिहुनिया (ग्राम रोजगार सहायक) - बिना दस्तावेज परीक्षण और फर्जी मस्टररोल के आधार पर प्रक्रिया आगे बढ़ाने

पुलिस भर्ती के सपनों को पंख, ‘सिवनी की उड़ान’ में शुरू हुआ शारीरिक दक्षता परीक्षण

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की पहल एवं मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट- सिवनी की उड़ान के अंतर्गत आज से पंजीयन करा चुकी बालिकाओं का शारीरिक परीक्षण प्रारंभ किया गया। सिवनी के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित पहले दिन के परीक्षण में 194 बालिकाएं पहुंचीं। प्रोजेक्ट के प्रति बालिकाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। अब तक 1700 से अधिक बालिकाओं ने पंजीयन कराया है। शारीरिक परीक्षण के दौरान बालिकाओं की पुलिस भर्ती के लिए निर्धारित आवश्यक शारीरिक मापदंडों का अवलोकन किया गया। इससे आवश्यक ऊंचाई (हाइट) सहित शारीरिक दक्षता से जुड़े विभिन्न मानकों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के माध्यम से बालिकाओं की वर्तमान शारीरिक क्षमता का आकलन करते हुए उन्हें आगे की तैयारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही बालिकाओं को शारीरिक दक्षता के मानकों की जानकारी देते हुए नियमित अभ्यास एवं फिटनेस पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। सिवनी की उड़ान के अंतर्गत बालिकाओं को पुलिस भर्ती, अदृश्यसैनिक बलों एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए



निःशुल्क लिखित एवं शारीरिक दक्षता प्रिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। अधिक से अधिक पंजीकृत बालिकाओं को शारीरिक परीक्षण का अवसर मिल सके, इसके लिए रविवार को भी बालिकाओं को बुलाया गया है। आगामी दिनों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शारीरिक परीक्षण जारी रहेगा। इससे पंजीकृत अभ्यर्थियों को शारीरिक क्षमता का प्रारंभिक आकलन कर उन्हें प्रशिक्षण के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने में मदद मिलेगी।

प्रोजेक्ट के अंतर्गत सिवनी एवं लखनादेन में प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को अपनी सुविधा के अनुसार केंद्र का चयन करने की सुविधा रहेगी। प्रशिक्षण के दौरान लिखित परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ पुलिस भर्ती एवं अन्य सेवाओं के लिए आवश्यक शारीरिक दक्षता पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।



करने तक सीमित नहीं होगी चाहिए, बल्कि शिक्षा का उद्देश्य समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा की भावना विकसित करना भी है। एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को समझने और जरूरतमंद लोगों के बीच कार्य

करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद द्वारा निःशुल्क एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम संचालित किया जाना विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के साथ पाठ्यक्रम पूरा

संख्या में छात्र-छात्रा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की रूपरेखा, अध्ययन प्रक्रिया तथा सामाजिक कार्य के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं ने अतिथियों का मार्गदर्शन प्राप्त किया और पाठ्यक्रम को लेकर उत्साह व्यक्त किया। निःशुल्क एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की प्रथम कक्षा के शुभारंभ से विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल रहा। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक कार्य के क्षेत्र में ईमानदारी, संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ आगे बढ़कर वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।



ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजयंती कट्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम युवाओं को समाज के प्रति जिम्मेदार, जागरूक एवं संवेदनशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पाठ्यक्रम के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक संभावना, व्यक्तित्व विकास, सामुदायिक समस्याओं की पहचान तथा उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने की क्षमता विकसित की जाती है।